



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 223] नई दिल्ली, बुधवार, जून 20, 1973/उपखण्ड 30, 1895  
No. 223 ] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 20, 1973/JYAISTHA 30, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Banking)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June 1973

**S.O. 345(E).**—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that during the period commencing on the 21st June, 1973 and ending with the 30th June, 1974,—

- (a) the provisions of sub-clauses (i) and (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 10 of the said Act shall not apply to United Bank of India and Syndicate Bank in so far as the said provisions prohibit the said banks from being managed by persons who are directors of the Agricultural Finance Corporation Limited, a company registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956); and
- (b) the provisions of sub-section (3) of section 19 of the said Act shall not apply to the said banks, in so far as the said provisions prohibit the said banks from holding shares in the said Agricultural Finance Corporation Limited.

[No. F. 13/7/73-AC ]

A. K. DUTT, Jt Secy.

**वित्त मंत्रालय**  
(बैंकिंग विभाग)

**अधिसूचना**

नई दिल्ली, 19 जून, 1973

एस० एच० 345(अ).—बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा घोषित करती है कि 21 जून, 1973 से प्रारम्भ होकर, 30 जून, 1974 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान,—

- (क) उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के उपखण्ड (i) और (ii) के उपबन्ध यूनाइटेड बैंक आफ इण्डिया और सिण्डिकेट बैंक पर लागू नहीं होंगे, जहाँ तक वे उपबन्ध उक्त बैंकों का प्रबन्ध उन व्यक्तियों द्वारा किये जाने पर रोक लगाते हैं जो दी कृषिक वित्त निगम लिमिटेड—समवाय अधिनियम, 1956 (1956 का पहला) के अधीन एक पंजीकृत कम्पनी—के निदेशक हैं; तथा
- (ख) उक्त बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 19 की उपधारा (3) के उपबन्ध उपरोक्त बैंकों के मामले में लागू नहीं होंगे, जहाँ तक वे उपबन्ध उक्त बैंक को उपर्युक्त कृषि वित्त निगम लिमिटेड के श्रेयर धारण करने पर रोक लगाते हैं।

[सं० एफ० 13/7/73—ए० सी०]

अमल कुमार दत्त, संयुक्त सचिव,।